नोंदणी क्र. : महाराष्ट्र २७३/२०१९ अहमदनगर
स्थापना : २८ मार्च २०१९

अनिशा फाऊंडेशन
द्वारा संचलित
ब्रह्मांड ज्योतिष ज्ञानपीठ

Anisha Foundation (Reg.)
Our Society-Our Contribution-Our Growth

श्रीरामपूर : ४१३७०९, जि. अहमदनगर (महाराष्ट्र)

Mobile : 9689324960 Email : avinashmahajan92@gmail.com Website : www.anisha-fdn.com

ज्योतिष पाठ्यक्रम विवरणिका

* पाठ्यक्रम का नाम	: ज्योतिर्विद्या वाचस्पति (पीएच डी) (कुंडलीशास्त्र का उच्च संशोधनात्मक पाठ्यक्रम)
* पाठ्यक्रम का प्रकार	: केवल पोस्टल पद्धति द्वारा
* अवधि	: छह माह से एक वर्ष
* पात्रता	: कुंडलीशास्त्र का कौन-सा भी प्राथमिक या प्रगत पाठ्यक्रम पूर्ण करनेवाला व्यक्ति। (ज्योतिष भास्कर/ज्योतिष पंडित/ ज्योतिष शास्त्री या तत्सम)
* उम्र	: किसी भी उम्र का व्यक्ति।
* माध्यम	: मराठी/हिंदी
* परीक्षा पद्धति	: किसी एक विषय पर ५० कुंडलियों का शोध अध्ययन करके शोध प्रबंध (थीसिस) प्रस्तुत करना। (१०० अंक) उसी प्रकार उस शोध अध्ययन पर मौखिक परीक्षा (१०० अंक)
* पाठ्यक्रम शुल्क	: रु. १५,५५१/-
* प्रवेश प्रक्रिया	: आवेदन पत्र और शुल्क अदा करने के बाद प्रवेश दिया जाएगा।

* फीस जमा करने की विधि -
पाठ्यक्रम शुल्क का भुगतान व्यक्तिगत रुप से या गुगल पे/फोन पे के माध्यम से ९६८९३२४९६० पर अदा करने के बाद प्रवेश दिया जाएगा।

पाठ्यक्रम का प्रारूप

- छात्र अपनी रुचि के अनुसार कोई भी एक विषय चुन सकता है।
- मार्गदर्शक द्वारा सूचित की गई अनुक्रमणिका के अनुसार संशोधनात्मक लेखन करना है।
- चयन किए हुए विषय पर ५० कुंडलियों का संशोधनात्मक विश्लेषण तथा नियमों के साथ टंकलिखित शोध प्रबंध (थीसिस) की दो प्रतियाँ प्रस्तुत करनी हैं।
- लिखित शोध प्रबंध (थीसिस) प्रस्तुत करने के बाद मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी।
- संस्थापक अध्यक्ष संशोधनात्मक पाठ्यक्रम के मार्गदर्शक होंगे।

नियम एवं शर्तें -

१) पाठ्यक्रम का पूरा शुल्क एक बार में लिया जाएगा। साथ ही एक बार भुगतान किया गया शुल्क किसी भी कारणवश वापस नहीं किया जाएगा।
२) शोध प्रबंध (थीसिस) प्रस्तुत करने के साथ-साथ मौखिक परीक्षा के बिना प्रमाणपत्र प्रदान नहीं किया जाएगा।
३) उत्तीर्ण शोधछात्रों को स्नातक समारोह में प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।
४) जब भी संस्था का स्नातक समारोह होगा तो समारोह में उपस्थित रहना अनिवार्य होगा।
५) शोधछात्र को संशोधन हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। शोधछात्र को शोध कार्य तथा शोध प्रबंध लेखन स्वयं ही करना है।
६) उत्तीर्ण छात्रों का नाम वेबसाईट पर अपलोड (घोषित) किया जाएगा।
७) परीक्षकों एवं अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।

जल्दी करो....!!! नई बैच जल्द ही शुरु हो रही हैं....!!!

संस्थापक अध्यक्ष एवं कुलपति
ज्योतिषाचार्य डॉ. अविनाश श्रावण महाजन
ज्योतिर्विद्या वाचस्पति (पीएच डी)
M. 9689324960

आज ही प्रवेश लें !